शारीरिक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय

बालक/बालिकाओं के व्यक्तित्व निर्माण में स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं। स्वस्थ बने रहने के लिए शारीरिक/ मानसिक एवं भावनात्मक रुप से सक्षम बनना आवश्यक है। इस हेतु शारीरिक शिक्षा महाविद्यालयों में शारीरिक शिक्षक प्रशिक्षण दिया जाता है, तत्पश्चात् विद्यालयों मे शारीरिक शिक्षकों द्वारा बालक/बालिकाओं को व्यायाम/खेल/योग आदि क्रियाओं से स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान की जाती है। राज्य में सत्र 2002–03 से बी.पी.एड. (एक वर्षीय) पाठ्यक्रम प्रारंभ किया जा चुका है।

बी.पी.एड. पाठ्यक्रम संचालित महाविद्यालयों में सत्र 2009–10 के लिए स्वीकृत सीटों का आवंटन

क्र. सं.	महाविद्यालय का नाम	राज्य सरकार से स्वीकृत सीटों की संख्या
1	राजकीय शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय, जोधपुर	120(सेवारत 30)
2	गांधी शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय,गुलाबपुरा(भीलवाड़ा)	60
3	महाराणा प्रताप शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय, भीण्डर(उदयपुर)	100(20माडां,20टाडा)
4	सनातन धर्म शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय,केकड़ी(अजमेर)	60
5	देवीदत्त डालमिया शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय,जामडोली,जयपुर	100
6	द्वारका शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय,नालबड़ी,बीकानेर	60
7	भारत माता शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय,किशनगंज(बारां)	100
8	आदर्श शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय,सुरोठ (करौली)	60
9	नारायणी देवी वर्मा महिला आश्रम शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय, भीलवाड़ा	60
10	कृष्णा कालेज आफ फिजीकल एज्यूकेशन,मावली (उदयपुर)	50
11	छयानन्द शा.शि. महाविद्यालय, अजमेर	50
	योग	820

गतिविधियां:–

शारीरिक शिक्षा महाविद्यालयों में प्रशिक्षणार्थियों को फुटबॉल, कबड्डी, बास्केटबॉल, हैण्डबॉल, बैडमिन्टन, सॉफ्टबॉल, एथेलेटिक्स, टेबिल–टेनिस, हॉकी, जूड़ो, जिमनास्टिक, क्रिकेट, पी.टी. लेजियम, डम्बल्स्, मार्चिंग, योग आदि के साथ–साथ खेल विशेष में निपुणता का प्रशिक्षण भी दिया जाता है, जिससे वे अपने विद्यालय के चयनित खिलाड़ियों को खेल विशेष में प्रशिक्षण देकर राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए सक्षम बनाते हैं।